Dr. Sunil Kumar
[illegible] College, Saharsa
[illegible]

~~विवेकीकरण की परिभाषा एवं इसके प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।~~

विवेकीकरण को विभिन्न प्रकार निर्णयों एवं इसे लागू करके उत्पादन में आवश्यक बदलाव होता है। [illegible] की [illegible] में वृद्धि होती है तथा [illegible] का आधुनिकतम उत्पादन होता है। यह उद्योग के सहज संचालन तथा नियंत्रण के सम्बन्ध में नवीन विचारधाराओं को प्रदान करता है। यह नवीनतम आविष्कारों और विधियों का प्रयोग करके पुरानी व परम्परागत विधियों के दोषों को दूर करता है। यह [illegible] की आर्थिक प्रतिस्पर्धा को रोककर उनमें सामूहिक रूप से सोचने की क्षमता प्रदान करता है। इसके सम्पूर्ण [illegible] अधीन अधिक उत्पादन तथा नियंत्रण [illegible] को लागू करता है। यह आवश्यक [illegible] के विरुद्ध [illegible] औद्योगिक क्षेत्र के सहज [illegible] प्रक्रिया में प्रयोग भी किया जाता है।

Objectives of Rationalisation →

विवेकीकरण का उद्देश्य अपने आप में महत्वपूर्ण है जो निम्नलिखित है—
① प्रत्येक प्रकार के अपव्यय की समाप्ति ② उत्पादन के साधनों का अधिकतम उपयोग
③ औद्योगिक विकास की वृद्धि
④ जनसाधारण का जीवन स्तर ऊँचा करना
⑤ प्रत्येक प्रकार के अपव्यय की समाप्ति

विवेकीकरण का प्रमुख उद्देश्य अपव्यय तथा हानि को रोकना है। [illegible] की जगह पर आधुनिकतम तथा वैज्ञानिक तरीकों को लेकर पुरानी तथा परम्परागत प्रणालियों का उपयोग किया जाता है जिसके कारण अपव्यय

जनसाधारण का जीवन स्तर ऊँचा करना →
निजीकरण का उद्देश्य सस्ते मूल्य पर अच्छे गुण स्तर की प्रमाणित वस्तुएँ प्रदान कर उपभोक्ताओं को लाभ करना भी है। जब जनसाधारण को अच्छी वस्तुएँ उचित मूल्य पर उपलब्ध होती है तो उनका जीवन स्तर ऊँचा उठता है।

सामाजिक उद्देश्य →
निजीकरण का मुख्य उद्देश्य सामाजिक पुनर्निर्माण भी है। यह औद्योगिक सम्बन्धों के मानवीय पहलू के विकास पर जोर देता है। श्रम तथा पूँजी दोनों पर उचित पारितोषिक की व्यवस्था करता है। समाज पर आर्थिक भार को कुछ कम करता है और सामाजिक समृद्धि के लिए जन-जीवन को प्रेरित करता है।

अतः हम कह सकते हैं कि विनिवेशीकरण का उद्देश्य समाज के किसी एक वर्ग को नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज को लाभ पहुँचाना होता है।

Scanned with CamScanner

है। श्रमिकों तथा कर्मचारी तथा अधिकारी वर्ग में असंतोष है। प्रबन्ध कुशलता तथा नई मशीनों से उत्पादन और प्रतिस्पर्धात्मक प्रणालियों का प्रयोग और निर्मित उत्पाद साधनों के समायोजन का अभाव आदि के कारण होता है।

उत्पादन के साधनों का मितव्ययी उपयोग —

उत्पादन के साधन चाहे वह प्राकृतिक हों, तकनीकी हों, श्रम हो कहीं भी असीमित मात्रा में उपलब्ध नहीं है। उत्पादन के साधन सीमित हैं अतः उनका उपयोग अधिक प्रभावशाली तथा मितव्ययिता से उपयोग किया जाना आवश्यक है। यदि किसी देश में किसी चीज का अत्यधिक उपयोग हो रहा है तो उसका परिणाम आगामी पीढ़ियों को उनके उपयोग से वंचित रखने के लिए होता ही है। अतः यह आवश्यक है कि विवेकीकरण के माध्यम से ज्ञात उपलब्ध तथा सीमित उत्पादक साधनों का श्रमपूर्ण उपयोग किया जाए ताकि उन्हीं साधनों से अधिकतम उत्पादन सम्भव हो सके।

औद्योगिक स्थिरता में वृद्धि —

विवेकीकरण का एक प्रमुख उद्देश्य देश के औद्योगिक संगठनों के वर्तमान दोषों को दूर करना है ताकि उद्योगों की अस्थिरता की सम्भावनाएँ कम हो जाएँ तथा उद्योगों में स्थिरता आ जाए। औद्योगिक स्थिरता से समाज के सभी वर्गों को लाभ होता है और राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि होती है। उद्योग निरन्तर लाभ पर चलते हैं और उनकी वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हो जाती है।